ONE ANOTHER, ONE···THE OTHER : (1) अन्योन्यः (न्या, न्यत्), *why do you eat o. a.'s flesh* : कस्मादूयमन्योन्यं मांसं भक्षयथ, Kar. ; *placing o. a.'s attributes on o. a.* : अन्योन्यस्मिन्नन्योन्यधर्मानध्यस्य, S. ; (2) इतरेतरः, (रा, रत्) *feeding o. a.* : इतरेतरं भोजयतः, S. k. ; *without distinguishing one from the other* : इतरेतराविवेकेन, S. ; (3) परस्परः, (रा, रं) *all spoke to o. a.* : ऊचुः सर्वे परस्परम्, A. r. ; *one with the other* : परस्परेण, R. vii. 14.

ONENESS : एकता, S. p. b. : v. Unity.

ONEROUS : (1) गुरु (f. र्वी) (=heavy) ; (2) दुर्भरः (रा, रं) (=oppressive).

ONESIDED : असमः (मा, मं) (=inequal) : v. Partial.

ONESIDEDNESS : असमता (=inequality) : v. Partiality.

ONION : (1) पलाण्डुः ; (2) सुकन्दः.

ONLY (adj.) : (1) एक एव (एकैव, एकमेव), *I was the o. daughter born of them* : तयोरहमेकैवात्मजा समुत्पन्ना, K. ; (2) एक- in comp., (*my*) *old infirm mother who has an o. son in me* : मदेकपुत्रा जननी जरातुरा, N. ; (3) by adv. : q.v.

ONLY (adv.) : (1) केवलम्, (best equiv.), *killing me is not o. killing an animal* : न केवलं प्राणिवधो वधो मम, N. ; (*but*) *o.* (*he*) *does not bear transgression* : केवलं न सहते विलङ्घनम्, Ki. ; (2) by -मात्र in comp., *black o. in colour* : वर्णमात्रेण कृष्णः, Me. ; (3) with एव giving emphasis, *there is o. one means* : एक एवोपायोऽस्ति, K.s.

ONOMATOPŒIA : अव्यक्तानुकरणम्, S.k.

ONSET : अवस्कन्दः : v. Attack.

ONSLAUGHT : अभिघातः : v. Also invective.

ONTOLOGY : *सत्त्वविज्ञानम् ; सत्त्वविचारः ; and sim. comps.

ONWARD (adj.) : (1) अग्रेसरः (री, रं) ; (2) वर्धिष्णु (mfn.) (=increasing).

ONWARD,-S (adv.) : (1) अग्रे ; (2) अग्रतः ; (3) पुरतः.

ONYX : गोमेदभेदः ; पीतरत्नम् (?), Bha.

OOZE (v.i.) : (1) स्रवति, परि-, (स्रु, c. 1.). *and the secret will o. out* : रहस्यश्च स्रवति, D. ii. ; (2) क्षरति (क्षर्, c. 1.) ; (3) रीयते (री, c. 4.) (rare).

OOZE (subs.) : क्षरितम् : v. Also flow.

OOZY (adj.) : सरसः (सा, सं) : v. Moist, wet.

OPACITY : कलुषता *or* कालुष्यम् : v. Transparency.

OPAL : perh. पुलकः *or* विमलकः, V.m. 80. 4.

OPAQUE : कलुषः (षा, षं), V.m. 82. 4. : v. Transparent.

OPE (v.) : v. Open (V.).

OPEN (v.t.) : I. To unclose : (1) वि-वृणोति, अपा-, (वृ, c. 5.), *o. the back door* : अपावृणु पश्चाद्द्वारकम्, Mr. ; *to o. the mouth* : आस्यं विवृणोति, V.p. ; (2) उद्घाटयति (c. of घट्), (from some fastening, etc.), *o. the door* : उद्घाटय द्वारम्, Mr. ; (3) उन्मोचयति (मुच्, c. 10.) (=to free, as from a cover) *o.ed and read it* : तदुन्मुच्य पपाठ, K. ; (4) उन्मीलयति (c. of मील्) (of the eyes) ; (5) व्यादत्ते, -ददाति (दा, c. 2.) (to open wide, as the mouth) ; (6) प्रसारयति (c. of सृ) (=to stretch, put forth, as the hands). II. To disclose, reveal : q.v. : विवृणोति. III. To explain, expound : q.v. : विवृणोति. IV. Of roads, etc. : (1) करोति : v. To make ; (2) शोधयति (c. of शुध्) (=to clear), कुर्वन्तः शोधयन्तश्च पन्थानं गहने वने, Ram. V. To begin : q.v. : प्रस्तौति (स्तु, c. 2.). VI. To lance : विध्यति (व्यध्, c. 4.), Sr. VII. Of the bowels : रेचयति (रिच्, c. 10.).

OPEN (v.i.) : I. To unclose : (1) विवृतः (ता, तं) भवति ; (2) by pass. II. To appear : q.v. : आविर्भवति. III. Of flowers, etc. : उन्मीलति (मील्, c. 1.). IV. To begin : q.v. : आरभते (रभ्, c. 1.).

OPEN UP : (1) विवृणोति : (2) प्रकटीकरोति.

OPEN (adj.) : I. Unclosed : (1) विवृतः, अनावृतः *or* अपावृतः (ता, तं) ; (2) उद्घाटितः (ता, तं) ; (3) उन्मीलितः (ता, तं) ; (4) व्यात्त (f. त्ता) ; (5) उन्मुक्त (f. क्ता) ; (6) प्रसारितः (ता, तं), *with o. arms* : प्रसारितभुजाभ्याम् *or* -भुजैः (for many) : for dif. : v. To open. II. Frank, artless : q.v. : विवृतः (ता, तं), *to lay o.* : विवृणोति, Ki. xiv.12. III. Public, exposed : प्रकाशः (शा, शं), *what! I have come out into o.* (*field*) : कथं, प्रकाशं निर्गतोऽस्मि, Sa. iii. ; *made woods o.* : विपिनानि प्रका-